मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति

टीचर ट्रेनिंग एवं एन.एफ.ई. विभाग, शिक्षा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने किया "एम्पॉवरिंग एजुकेटर्स विद ए.आई. इन टीचिंग एंड रिसर्च" विषय पर ऑनलाइन एफ.डी.पी. का आयोजन

नई दिल्ली, 19 मई, 2025

टीचर ट्रेनिंग एवं एन.एफ.ई. विभाग, उन्नत शिक्षा अध्ययन संस्थान (आई.ए.एस.ई.), शिक्षा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 6 से 16 मई, 2025 तक "एम्पॉवरिंग एजुकेटर्स विद ए.आई. इन टीचिंग एंड रिसर्च" विषय पर 40 घंटे, 10-दिवसीय, ऑनलाइन संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.) का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आई.सी.टी. अकादमी (Hub) एन.आई.टी. वारंगल और ई. एवं आई.सी.टी. अकादमी (स्पोक) भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी डिजाइन एवं विनिर्माण संस्थान (आई.आई.आई.टी.डी.एम.), कुरनूल, आंध्र प्रदेश के सहयोग से किया गया। एफडीपी को भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) द्वारा प्रायोजित किया गया था।

एफडीपी का उद्घाटन सत्र 6 मई 2025 को हुआ, जिसमें शिक्षण और अनुसंधान में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एकीकृत करने पर 10 दिवसीय व्यापक ऑनलाइन प्रशिक्षण की शुरुआत हुई। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि जामिया मिल्लिया इस्लामिया के रजिस्ट्रार प्रोफेसर महताब आलम रिजवी थे। सत्र में भागीदार संस्थानों के प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों जैसे कि प्रो. जेसी अब्राहम, अध्यक्ष, टीटी और एनएफई विभाग, जेएमआई; प्रो. पी. श्रीहरि राव, मुख्य अन्वेषक, ई एंड आईसीटी अकादमी, एनआईटी वारंगल; डॉ. के. कृष्णा नाइक, एसोसिएट प्रोफेसर- ईसीई, आईआईआईटीडीएम कुरनूल; डॉ. एम. नरेश बाबू, एसोसिएट प्रोफेसर-सीएसई, आईआईआईटीडीएम कुरनूल ने भाग लिया| इस कार्यक्रम का समन्वयन ।।।TDM कुरनूल के सहायक प्रोफेसर डॉ. नोएल नित्तला अनुराग प्रशांत और जेएमआई के शिक्षा संकाय के टीटी और एनएफई (आईएएसई) विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. एरम खान ने संयुक्त रूप से किया।

एफडीपी को पूरे देश से शानदार प्रतिक्रिया मिली और इसमें 92 पंजीकरण हुए। कार्यक्रम की शुरुआत के समय केवल 50 प्रतिभागियों का प्रावधान किया गया था, हालांकि इसकी भारी मांग के कारण मंत्रालय ने 42 और प्रतिभागियों को एफडीपी में शामिल होने की अनुमति दी। कुल मिलाकर, 55 संकाय सदस्यों और 37 शोधार्थियों को कार्यक्रम में पंजीकृत किया गया। उल्लेखनीय रूप से, 100% प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम पूरा किया।

कार्यक्रम में एक-एक घंटे के 40 ऑनलाइन तकनीकी सत्र थे, जिसके बाद एक परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की गई थी। रिसोर्स पर्सन प्रतिष्ठित संस्थानों से आए थे, जिनमें ईएफएलयू, हैदराबाद, आईआईआईटीडीएम कुरनूल, एनआईटी वारंगल, एनआईईपीए, नई दिल्ली, जेएनयू, दिल्ली, सीएसआईआर पटना, कर्नाटक केंद्रीय विश्वविद्यालय, एयूडी, इग्नू, जीजीएसआईपीयू, जेएमआई और उद्योग से भी पर्सन शामिल थे। सत्रों में एआई के उपयोग के व्यापक सैद्धांतिक ढांचे और व्यावहारिक अनुभवों के साथ-साथ शिक्षा में एआई और आईसीटी उपकरणों के अनुप्रयोग को शामिल किया गया। सभी प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाएंगे। कार्यक्रम का समापन एक समापन समारोह के साथ हुआ, जिसमें भागीदार संस्थानों और मंत्रालय के कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। अंत में, समन्वयक डॉ. एरम खान और डॉ. नोएल ने गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, जेएमआई